मंत्री महोदय वहां स्वयं जाकर देखें। उन्होंने वहां के डाक्टर और डायरेक्टर्स को अपने आफिस में बुलाने की बात कही, लेकिन मैं उनसे रिक्वैस्ट करता हूं कि वह खुद अभी वहां जायें और देखें कि एमर्जेन्सी वार्ड में क्या हालत है। वहां इतनी बदबू, पेशाब और पाखाने की रहती है, कि दो मिनट वहां नहीं रह सकते। वहां पर बैठने के लिये न बेंच हैं, न कुर्सी है और इतना गलीज पड़ा हुआ है कि हद नहीं। इसके मुताल्लिक आप क्या करने वाले हैं? मेरा कहना है कि आप खुद जाइये और देखिये कि यह सही है या नहीं।

श्री राज नारायण : मुझे माननीय सदस्य के जज्बात को सुन कर बड़ी खुशी हुई। आज जो विरोधी पक्ष है, कम से कम उसे यह एहसास तो होने लगा है कि हमारी जनता पर कितनी मुसीबतें आ रही हैं।

माननीय सदस्य वहां गये, और उन्होंने अपनी आंखों से इन बातों को देखा। तो वह कम से कम इस गरीब आदमी को एक छोटी सी चिट लिख कर भेज देते; मैं इस सदन में अक्सर आता रहता हूं, मुझे बता देते। माननीय सदस्य कह रहे हैं कि मैं खुद वहां जाऊं। मैं अक्सर वैलिंगडन अस्पताल में जाता रहता हूं, लोगों से मिलता रहता हूं और इमर्जेन्सी वार्ड में भी गया हूं। उन्होंने मुझे अभी वहां जाने के लिए कहा है। सदन का नियम है कि सदन के कार्य को छोड़ कर किसी दूसरे कार्य को प्रायटी नहीं दी जा सकती है। मैं सदन के कार्य में लगा हुआ हूं। इस से खाली होते ही मैं जरूर वहां जाऊंगा।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

भारत जनसंख्या परियोजना योजना

*774. श्री राम बारी शास्त्री : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश सरकार ने केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित भारत जनसंख्या परियोजना योजना के अंतर्गत देवरिया और गाजीपुर जिलों को चुना है, और योजना को त्वरित कार्यान्वित करने के लिये अनुरोध किया है; और

(ख) यदि हां, तो योजना की मुख्य बातें क्या है और इसे कार्यान्वित करने में विलम्ब होने के क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राज नारायण) : (क) और (ख). दूसरी भारत जनसंख्या परियोजना के बारे में विश्व बैंक के साथ बातचीत चल रही है। परियोजना में शामिल किए जाने वाले जिलों के चयन को अभी अन्तिम रूप दिया जाना है। इस परियोजना के अधीन परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत जिन-जिन गतिविधियों/योजनाओं को लाया जाना है, उन्हें भी विश्व बैंक के प्राधिकारियों के साथ अभी तय करना है। इसलिए परियोजना को कार्यान्वित करने में देरी होने का प्रश्न ही नहीं उठता।

Publication of Telephone directories for Exchanges in big cities

*776. SHRI MRITUNJAY PRASAD VARMA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) for how many years the Telephone Directories for exchanges in most big cities have not been published, brought up to date and telephone subscribers are made to suffer the harassment of enquiring the numbers of new connections, new numbers for old numbers when a new exchange is